

# देशबन्धु

वर्ष - 34 | अंक - 326 | भोपाल, रविवार 26 नवम्बर 2023 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 3.00 रुपए

मजदूरों से भरा और हड्डी मिल के पास पलटा

पृष्ठ 2

दुख का अधिकार

नानक नाम घढ़ी कलां-तेरे भाणे सरबत दा भला

पृष्ठ 4

कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियां, तासी स्नान के लिए पहुंचेंगे हजारों श्रद्धालु

पृष्ठ 6

बदमाशों ने बंधक बनाकर लौटे साढ़े 3 लाख के जेवर और नकदी

पृष्ठ 8

शॉर्ट-सर्किट से रुई में भड़की चिंगारी

## घर में लगी आग से दंपत्ति समेत 3 जिंदा जले, 2 गंभीर



मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में एक घर में भीषण आग लग गई। इसमें परिवार के तीन लोग जिंदा जल गए। वहीं दो को हालत गंभीर बचाई गई है। लोगों का कहना है कि शनिवार सुबह गोदाम में रखी रुई में शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई, जो देखते-देखते पहली मंजिल तक पहुंच गई। घटना के बाद इलाके में हड्डीकंठ मच गया। घर के अंदर मौजूद पाच लोग फंस गए थे।

फायर ब्रिगेड की टीम को आग पर कानून पाने में काफी चल लग गया। इस दौरान परिवार 3 लोगों की मौत हो गई। इसमें रौशन पड़ित (28), उसकी पत्नी कविता देवी (24) और उनकी बहन सालू (15) शामिल हैं। वहीं रोशन के पिता सुवोध पड़ित (47) और मां सुभाष पड़ित (42) की हालत नापुरा है। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। घटना घोड़सहन थाना क्षेत्र के रेलवे गुमटी के पास की है।

बताया गया है कि सुवोध पड़ित अपने परिवार के साथ शुक्रवार रात घर के मुख्य

दरवाजे पर ताला लगाकर सोये थे। सुबह करीब छह बजे के आसपास घर में नीचे से आग लग गई। घर के नीचे रुई और प्लास्टिक का गोदाम से आग की शुरुआत हुई थी।

जहां आग लगी वहीं घर की सीढ़ी है। इस वजह से वे घर से बाहर नहीं निकल सके। आग का धुआं देख कर आसपास के लोग वहां जमा हो कर अपने अपने घर के छत से पानी फेंक कर किसी तरह आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे।

इसी बीच फायर ब्रिगेड की गाड़ी मोंक पर पहुंची, किसी तरह ग्रामीणों ने घर के दीवार को तोड़ कर लोगों को बाहर निकाला। लेकिन, तब तक तीन लोगों की मौत हो गई थी। इनमें आनन फनन में मोतिहारी भेजी गया। जहां एक की मौत हो गई। वहीं सुबोध पड़ित का जिसी नरिंग होम में जबकि उनके पत्नी का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घर के मालिक सुबोध पड़ित ने छत से नीचे कूद कर खुद की जान बचायी। वहीं उनकी पत्नी को ग्रामीणों ने दीवार से तोड़ कर बाहर निकाला। इधर, सभी घासाल को जब ग्रामीण लेकर स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे तो वहां डॉक्टर नहीं थे। इसको लेकर लोगों में काफी आक्रोश देखा गया।

### कार में आग लगने से 2 युवकों की जान गई



नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-119 में शनिवार को एक कार में आग लगने से उसमें बैठे 2 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। सफेद रंग की यह कार सुबह सुबह अप्राप्त ऐप्लियम सोसाइटी के समाने से गुजरी थी। सीसीटीवी में इसकी तस्वीरें भी कैद हुई हैं और तीन मिनट बाद अचानक उसमें आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। यह देख लोगों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस औं फायर ब्रिगेड की टीम मोंक पर पहुंची और कार की आग पर कानून पाया गया। कार में दो पुरुषों के शव मिले हैं, जिनकी पहचान सोसाइटी के विजय चौधरी (27) और सेक्टर-53 निवासी अनन्द (27) के रूप में हुई हैं। दोनों येशे से इंजीनियर थे। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी पुटेज से पता चलता है कि ये सुबह करीब 6.08 मिनट पर ये कार इस सोसाइटी के आगे खड़ी हुई थीं और कुछ ही देर बाद अचानक उसमें आग लग गई। कार कहां से आई और मृतक कहां से लौटे थे, इसकी जानकारी अभी तक नहीं नहीं मिल पाई है। अन्य सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

तेलंगाना में प्रचार के लिए जुटे दिग्गज

### राहुल बोले-मोदी के 2 दार, ओवैसी व केसीआर



हैदराबाद, देशबन्धु। कांग्रेस सनेता गुलब गांधी ने तेलंगाना में आदिलाबाद जिले में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के दो यार हैं। एक ओवैसी और एक केसीआर हैं। केसीआर चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी दिल्ली में प्रधानमंत्री रहें। वहीं, नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि केसीआर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रहें।

राहुल के विलाफ चुनाव आयोग पहुंची भाजपा, तत्काल कार्रवाई की मांग

राहुल बोले आयोग में एक बाजपा ने चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज करा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के कथित विवरण से अधिक मतदान करारवाई किए जाने की मांग की है। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा है कि राहुल के एक प्रत्येक प्रतिवर्ष जिसमें खासगिरी सेवा, गैर समिक्षा, कृषि व्यापार, अंग्रेजी शिक्षा, ओवैसी अकाशक्षण से वर्षांधित वारे के साथ ही राजस्थान में चल रही मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का आझान किया गया था, वह 48 घण्टे की मौन क्षेत्र सीमा का उल्लंघन है।

### राजस्थान में 70 फीसदी से अधिक मतदान

- सर्वाधिक 76.57 प्रतिशत मतदान जैसलमेर में हुआ
- सबसे कम 60.71 प्रतिशत पाली जिले में दर्ज किया

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की 199 विधायिका सीटों पर शनिवार शाम 6 बजे मतदान सपने हो गया। रज्य में अधिक मतदान से अधिक मतदान दर्ज किया। मुख्य निवाचन अधिकारी, राजस्थान के अनुसार शाम 5 बजे तक प्रेरणा में 68.24 फीसदी मतदान हुआ है। जबकि मतदान के लिए निश्चित समय 6.1 बजे तक 70 फीसदी से ज्यादा मतदान दर्ज किया। मतदान के बाद अपने तारीख के बाद विधायिका को विधायिका संसद तक प्रवेश करने की इच्छा है। वार्ड के कार्यकारी निवाचन समिक्षा बोर्ड ने जानकारी के बाद विधायिका को विधायिका संसद तक प्रवेश करने की इच्छा की।

भरतपुर जिले की कामां व नगर में विवाद

भरतपुर जिले की कामां और नगर विधायिका संसद के क्षेत्र में विवाद हुआ। नगर विधायिका संसद के क्षेत्र में गोपनीय प्राथमिक स्कूल के बूथ पर हंगामा कर दिया। यहां एक व्यक्ति दीवार पालीं के बूथ पर हंगामा कर दिया। घटना में पालीं के बूथ के रुपरेक्षण के बाद विधायिका को जानकारी समाप्त हो गई है। वार्ड के कार्यकारी निवाचन समिक्षा बोर्ड ने जानकारी के बाद विधायिका को विधायिका संसद तक प्रवेश करने की इच्छा की।

फतेहपुर शेरवावाटी में 2 गुटों में झगड़ा

सीकर के फतेहपुर शेरवावाटी में दो गुटों में झगड़ा हो गया। दोनों ने एक-दूसरे पर पथर फेंके। घटना बोचीवाला भवन के पीछे बूथ संचाला 128 से 200 मीटर दूर मोहल्ले में हुई। पथराव में एक कॉन्स्टेबल समेत 3 लोग घायल हो गए। चूरू के सरदारशहर के एक बूथ पर कांग्रेस-भाजपा कार्यकारीओं में झड़प भी हुई है। घटना में लोगों विधायिका संसद के बाजार प्रत्यारोपण विधायिका जोगाराम पटेल के कार्यालय पर हालतों को आरोप लगाया। सीकर, श्रीगंगानगर जिलों के कई बूथों पर इंवीएम में खराबी के कारण मतदान में देरी हुई। अलवर, ज्ञानवाला, श्रीमाधोपुर सहित कई विधायिका भागों के बूथों पर दूल्हा-दुल्हन भी बोट करने पहुंचे। टोक की निवार्ता विधायिका संसद में 113 साल की वार्तर भूली देवी ने भी बोट डाला।

सिरपुर से झड़प हो गई। गाड़ी में तोड़फोड़ कर ड्राइवर से मारपीट की। कैमरामैन का कैमरा और फोन छीनकर ले गए। इसके बाद विधायिका के बूथ पर पथर फेंके। घटना में पालीं के बूथ के रुपरेक्षण के बाद विधायिका को जानकारी समाप्त हो गई है। वार्ड के कार्यकारी निवाचन समिक्षा बोर्ड ने जानकारी के बाद विधायिका को विधायिका संसद तक प्रवेश करने की इच्छा की।

### T&CP अनुमति प्राप्त

### स्विमिंग पूल

### बास्केट बाल कोट

### क्रिकेट पिच

### ओपन जिम

### सुरक्षित कवर्ड केम्पस

### भव्य प्रवेश द्वार

### कम्बुनिटी हाल

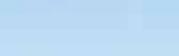
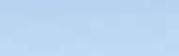
### श्री मंदिर

### पार्क एवं पाथ वे

### 24 घंटे बिजली व्यवस्था

### ओवरहेड पानी टंकी

### सीमेटेड रोड, नाली







# साहित्य

## कहानी

### ग्रामपाल

**M**नचों की पोशाकें उहें विभिन्न श्रेणियों में बैठ देती हैं। प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निर्धारित करती है। वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाजे खोल देती है, परंतु कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम जारा नीचे झुकके समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं। उस समय यह पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोक रहती है।

बाजार में, फुटपाथ पर कुछ खरबूजे डलिया में और कुछ जरीन पर बिक्री के लिए रखे जान पड़ते थे। खरबूजों के समीप एक अधेड़ उम्र की और तबैरी रो रही थी। खरबूजे बिक्री के लिए थे, परंतु उन्हें खरीदने के लिए कोई कैसे आगे बढ़ता? खरबूजों को बेचनेवाली तो कपड़े से तुँह छिपाए सिर को घुटनों पर रखे फफक-फफककर रो रही थी।

पड़ोस की दुकानों के तख्तों पर बैठे या बाजार में खड़े लोग धृणा से उसी स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे। उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी, पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था? फुटपाथ पर उसके समीप बैठ सकने में मेरी पोशाक ही व्यवधान बन खड़ी हो गई।

एक आदमी ने धृणा से एक तरफ थकते हुए कहा, 'क्या जमाना है! जवान लड़के का मरे पुरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगा के बैठते हैं।'

दूसरे साहब अपनी दाढ़ी खुजाते हुए कह रहे थे, 'अरे जैसी नीत छोटी है अल्ला भी वैसी ही बरकत देता है।'

सामने के फुटपाथ पर खड़े एक आदमी ने दियासलाई की तीली से कान खुजाते हुए कहा, 'अरे, इन लोगों का क्या है? ये कपीने लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं। इनके लिए बेटा-बटी, खस्स-लुगाई, धर्म -ईमान सब रोटी का टुकड़ा है।' परचम की दुकान पर बैठे लाला जी ने कहा, 'अरे भाई, उनके लिए मरे-जिए का कोई मतलब न हो, पर दूसरे के धर्म-ईमान का तो खायाल करना चाहिए। जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता है और वह यहाँ सँडक पर बाजार में आकर खरबूजे बेचने बैठ गई है। हजार आदमी आते-जाते हैं। कोई क्या जानता है कि इसके घर में सूतक है। कोई इसके खरबूजे खाले तो उसका ईमान-धर्म कैसे रहेगा? क्या अँधेरे है!'

पास-पड़ोस की दुकानों से पूछने पर पता लगा-उसका तेरेस बरस का जवान लड़का था। घर में उसकी बहू और पोता-पोती हैं। लड़का शहर के पास डेढ़ बीचे भर जरीन में कछियारी करके परिवार का निवारण करता था। खरबूजों की डलिया बाजार में पहुँचकर कभी लड़का स्थवर्ण सोंदे के पास बैठ जाता, कभी माँ बैठ जाती।

लड़का परसों सुबह मुँह-अंधेरे बेलों में से पके खरबूजे चुन रहा था। गीली मेड़ की तरावट में विश्राम करते हुए एक साँप पर लड़के का पैर पड़ गया। साँप ने लड़के को डस लिया।

लड़के की बुद्धिया माँ बाली होकर ओझा को बुला लाई। झाड़ना-फूँकना हुआ। नागदेव की पूजा

हुई। पूजा के लिए दान-दक्षिणा चाहिए। घर में जो कुछ आटा और अनाज था, दान-दक्षिणा में उठ गया। माँ, बहू और बच्चे 'भगवाना' से लिपट-लिपटकर रोए, पर भगवाना जो एक दफे चुप हुआ तो फिर न बोला। सर्प के विष से उसका सब बदन काला पड़ गया था।

जिंदा आदमी नंगा भी रह सकता है, परंतु मुर्दे को नंगा कैसे विदा किया जाए? उसके लिए तो बजाज की दुकान से नया कपड़ा लाना ही होगा, चाहे उसके लिए माँ के हाथों के छानी-ककना ही क्यों न बिक जाएं।

भगवाना परलोक चला गया। घर में जो कुछ चूनी-भूसी थी सो उसे विदा करने में चली गई। बाप

नहीं रहा तो क्या, लड़के सुबह उठते ही भूख से बिलबिलाने लगे। दादी ने उन्हें खाने के लिए खरबूज़ दे दिए लोकिन बहू को क्या देती? बहू का बदन बुखार से तबे की तप रहा था। अब बैठे दो बांकों पर बैठा बुद्धिया को दुअन्नी-चबनी भी कौन उधार देता।

बुद्धिया रोते-रोते और आँखें पोछें-पोछते भगवाना के बटोरे हुए खरबूजे डलिया में समेटकर बाजार की ओर चली-और चारा भी क्या था?

बुद्धिया खरबूजे बेचने का साहस करके आई थी, परंतु सिर पर चादर लपेटे, सिर को घुटनों पर टिकाए हुए फफक-फफककर रो रही थी।

**व्यंग्य**

■ शरद जोशी

### बुद्धिजीवियों का दायित्व

मटी पेड़ के नीचे पहुँची, उसने देखा ऊपर की डाल पर एक कौवा बैठा है, जिसने मुंह में रोटी दाढ़ी रखी है। लोमड़ी ने सोचा कि अगर कौवा गलती से मुंह खोल दे तो रोटी नीचे गिर जाएगी, नीचे गिर जाए तो मैं खा लूँ।

'लोमड़ी बाई, शासन ने हम बुद्धिजीवियों को यह रोटी इसी शर्त पर दी है कि इसके मुंह में ले हम अपनी चोंच को बढ़ दें।' मैं जरा प्रतिबद्ध हो गया हूँ।

लोमड़ी ने कौवे से कहा, 'मैया कौवे! तुम तो मुक्त प्राणी हो, तुम्हारी बुद्धि, वाणी और तरक का लोहा सभी मानते हैं। मार्क्सवाद पर तुम्हारी पकड़ भी गहरी है, बर्तमान परिस्थितियों में एक बुद्धिजीवी के दायित्व पर तुम्हारे विचार जानकर मुझे बहुत प्रसन्नता होगी, यांगी भी तुम ऊँचाई पर बैठे हो, भाषण देकर हमें मार्गदर्शन देना तुम्हें शोभा देगा, बोला मुँह खोले कौवे!

इमर्जेंसी का काल था, कौवे बहुत होशियार हो गए थे, चोंच से रोटी निकाल अपने हाथ में ले धीरे से कौवे ने कहा - 'लोमड़ी बाई, शासन ने हम बुद्धिजीवियों को यह रोटी इसी शर्त पर दी है कि इसे मुंह में ले हम अपनी चोंच को बढ़ देंगे, मैं जरा प्रतिबद्ध हो गया हूँ आजकल, ज्ञान करें, यों में स्वतंत्र हूँ, यह सही है और आश्चर्य नहीं समय आने पर मैं बालूं भी.'

इतना कहकर कौवे ने फिर रोटी चोंच में दबा ली।

### गजल

#### बिस्मिल अजीमाबादी

न अपने जल को रुखा करो सात के मुझे खुदा के गासे देखो न मुरझा के मुझे

सिवाए दाग मिला दया चमन में आ के मुझे कुफ़स नसीन हुआ आशियां बांधा के मुझे

अदब है मैं जो कुकाए हुए हूँ आँख अपनी ग़ज़ब है तुम जो न देखो न जरूर उठा के मुझे

इताही कुछ तो हो आसन नज़र की मुरिकल दम-ए-अखीरत तो तस्कीन दे वो आ के मुझे

खुदा की जान है मैं जिन को दोस्त रखता था वो देखते भी नहीं अब नज़र उठा के मुझे

मिरी क़सम है तुम्हें रहवान-ए-मुल्क-ए-दम खुदा के गासे लज़ान जा के मुझे

हमारा कांठ ठिकाना है हम तो 'बिस्मिल' है न अपने आप को रुखा करो सात के मुझे



पड़ोस की दुकानों के तख्तों पर बैठे या बाजार में खड़े लोग धृणा से उसी स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे। उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी, पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था? फुटपाथ पर उसके समीप बैठ सकने में मेरी पोशाक ही व्यवधान बन खड़ी हो गई।

पुटपाथ में एक व्यथा-सी उठी, पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था?

फुटपाथ पर उसके समीप बैठ

सकने में मेरी पोशाक ही

व्यवधान बन खड़ी हो गई।

एक आदमी ने धृणा से एक तरफ थूकते हुए कहा, क्या जमाना है! जवान लड़के को मरे

पूरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगा के बैठते हैं।

कल जिसका बेटा चल बसा, आज वह बाजार में बैठे बेचने चली है, हाय रे पथर-दिल!

उस पुत्र-विवेचिणी के दुःख का अदाजा लगाने के लिए पिछले साल अपने पड़ोस में पुत्र की मृत्यु से उसी आदमी का बाजार में बैठे बेचने से बदल गया। वह संभ्रान्त महिला पुत्र की मृत्यु के बाद अद्वैत मास तक पलंग से उठ न सकती थी। उन्हें पंद्रह-पंद्रह मिनट बाद पुत्र-विवेचिणी से मूँह आंखों और मूँह न रुक सकते थे। दो-दो डांकों पर दरमद सिरहाने बैठे रहते थे। हरदम सिर पर बर्फ़ रखी जाती थी। शहर भर के लोगों के मन उस पुत्र-शोक से द्रवित हो रहे थे।

जब मन को सूझ का रास्ता नहीं मिलता तो बैठनी से कदम तेज हो जाते हैं। उसी हालत में नाक ऊपर उठाए, राह चलते से लोकरे खाता में चला जा रहा था। सोच रहा था- शोक करने, गम मानने के लिए भी सहूलियत चाहिए और--- दुर्खी होने का भी एक अधिकार होता है।

## हरमिंदर साहिब, अमृतसर का यात्रा संस्मरण

### नानक नाम चढ़दी कला-तेरे भाणे सरबत दा भला

वाले थे और वे उन्हें लिवाने के लिये अमृतसर जा रहे थे।

## बेतवा- पार्वती अंचल

### सार-समाचार

धूमधाम से निकली हरिहर मिलन यात्रा, जगह-जगह किया स्थागत



सिरोंज, देशबन्धु। परंपरा अनुसार कार्तिक मास में पंडित नलिनीकांत शर्मा के पार्वतीश्वर के अतीत शनिवार को हरिहर मिलन यात्रा का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्तिक मास में प्रतिदिन त्रिपुरा सुंदरी घाट पर होने वाले नियम संध्या आरती उत्तरात पालकी में विनारे भगवान शिव को लेकर यह यात्रा धूमधाम से भगवान मदन मोहन सरकार के दरवार में भगवान विष्णु से मिलन के लिए प्रारंभ हुई। धूमधाम के साथ निकली इस यात्रा का नेतृत्व पंडित नलिनीकांत शर्मा कर रहे थे जिनके सानिध्य में कार्तिक स्नान कर पुण्य लाभ ले रही महिलाओं एवं पुरुषों के साथ सनातन शर्मा की काफी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन में विधायक उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता की। इस दौरान हरिहर मिलन यात्रा का नगर में जगह जगह स्थागत हुआ। आकाश में चंद्रमा के साथ बृहस्पति ने बनाई जगमगा ज़ोड़ी



इटारसी, देशबन्धु। आज शनिवार 25 नवंबर शाम के आकाश में पूर्वी आकाश में चमकता चंभमा अनेस साथ जुरिया की जोड़ी बनाते नजर आया। इस खांखा घटना की जनकारी देते हुये नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घास ने बताया कि शाम जब सुर्य अस्त हुआ तब पूर्वी आकाश में कूल उंचाई पर चंद्रमा और बृहस्पति जोड़ी बनाते नजर आये। चंद्रमा लाघा 3 लाख 74 हजार 830 किमी दूर था तथा इसका 96.6 प्रतिशत भाग चारकर रहा था। वहीं जुरिय 60 करोड़ 85 लाख 90 हजार किमी दूर रहते हुये माईन 2.84 मैट्रीट्सूर्फ से चमक रहा था। यह जोड़ी रात भर दिखाई देने के बाद सुबह सबेरे 4 बजे के बाद पश्चिम में अस्त होगी।

## एनसीसी के स्थापना दिवस पर सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध काम करने का संदेश

इटारसी, देशबन्धु। एनसीसी के डेटेक्टर को की स्थापना दिवस पर शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी में एनसीसी की छायाओं ने नव्य नारिका, संगीत तथा उद्दोषन के माध्यम से देहज प्रथा, कन्या धूण हत्या, बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध कार्य करने का संदेश दिया एवं सभी को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस मेहरा ने कहा कि एनसीसी के डेटेस देश की आकाशका, देश के सपनों का अनियन्त्रित करते हैं। राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने वाला एनसीसी कैडेट अन्त देश के युवाओं और आरोपिकों को सार्वजनिक लक्ष्यों पर, सार्वजनिक सेवा के जारी रहा है। डॉ. हरप्रीत रंधारा ने बताया कि आयाएं एनसीसी से जुड़ते अपने व्यक्तिका का विकास कर सकती हैं तथा एनसीसी के क्रेडिट को थल सेना, नौसेना, वायु सेना और अन्य प्रमुख सरकारी नौकरियों में छूट मिलती है।

महाविद्यालय को एनसीसी यूनिट की प्रभारी श्रीमती पुनम साहू ने कहा कि एनसीसी का ऊदेश्य मिलिट्री ट्रेनिंग, समाज सेवा, आउटडोर गतिविधियों के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व, चरित्र, अनुशासन, जोश जैसे मूल्यों को विकसित करना है। कार्यक्रम में आधार व्यक्त करते हुए डॉ. शिरीष परसाई ने कहा कि हम सभी ने देखा



कि एनसीसी के डेटेस ने कोरोना काल में देश के सामर्थ्य को बढ़ाया। एनसीसी के डेटेस के द्वारा संकल्प, सेवा की भावना, अनुशासन देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना ने राष्ट्र नियमण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। संचालन एनसीसी के डेटेस पूजा पटेल एवं मानसी शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

कि एनसीसी के डेटेस ने कोरोना काल में देश के सामर्थ्य को बढ़ाया। एनसीसी के डेटेस के द्वारा संकल्प, सेवा की भावना, अनुशासन देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना ने राष्ट्र नियमण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। संचालन एनसीसी के डेटेस पूजा पटेल एवं मानसी शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी तथा छात्राएं उपस्थित थीं।

महाविद्यालय को एनसीसी यूनिट की प्रभारी श्रीमती पुनम साहू ने कहा कि एनसीसी का ऊदेश्य मिलिट्री ट्रेनिंग, समाज सेवा, आउटडोर गतिविधियों के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व, चरित्र, अनुशासन, जोश जैसे मूल्यों को विकसित करना है। कार्यक्रम में आधार व्यक्त करते हुए डॉ. शिरीष परसाई ने कहा कि हम सभी ने देखा

कि एनसीसी के डेटेस ने कोरोना काल में देश के सामर्थ्य को बढ़ाया। एनसीसी के डेटेस के द्वारा संकल्प, सेवा की भावना, अनुशासन देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना ने राष्ट्र नियमण में अभूतपूर्व योगदान दिया है। संचालन एनसीसी के डेटेस पूजा पटेल एवं मानसी शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा वर्मा, तरुणा तिवारी आशावरी ने किया। कार्यक्रम में डॉ हरप्रीत रंधारा,

श्रीमती मंजरी अवधी, आनंद पारोचे, श्रीमती पुनम साहू, स्नेहांशु सिंह, डॉ. मुकेश चंद्र विष्ट, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. संजय आर्य, डॉ. शिशा गुरा, डॉ. श्रद्धा जैन, डॉ. नेहा सिक्किरा, एनआर मालवीय, हेमंत गोहिया, श्रीमती शोधा मीणा, प्रिया कलोशिया, क्षमा व





